अनन्वय अलंकार

परिभाषा :-

"जहाँ पर उपमेय को ही उपमान बना दिया जाता है, वहाँ अनन्वय अलंकार होता है।"

Examples —

"तुम्हारा मुख - मुख जैसा है।"

"राम-से राम, सिया सी सिया।"

प्रतीप अलंकार

परिभाषा :- **प्रतीप** → अर्थ 'उल्टा' होता है।

इस अलंकार में 'उपमा' के विपरीत स्थिति होती है।

"जहाँ उपमान को उपमेय बना दिया जाए, वहाँ प्रतीप अलंकार होता है।"

Example :-

"चन्द्र तुम्हारे मुख जैसा है।"

"उतरि नहाए जमुन जल जो
सरीर सम स्याम।"

"साखि! मयंक तव मुख सम सुन्दर।"

"मुख आलोकित जग करै, कहो
चंद किह काम।"

दृष्टान्त अलंकार

परिभाषा :—

जहाँ उपमेय व उपमान के साधारण धर्म में भिन्नता होते हुए भी बिम्ब-प्रतिबिम्ब भाव से कथन किया जाए वहाँ 'दृष्टान्त' अलंकार होता है।

Examples —

"दुसह दुराज प्रजानु को क्यों न बढ़ै दुःख द्वन्द।
अधिक अन्धेरो जग करत मिलि मावस रवि चन्द॥"

or

"कोई दुश्मन कभी शाँति के बीज नहीं बो सक्ता है।"
और भेड़िया शाकाहारी कभी नहीं हो सकता है॥"

or

"एक म्यान में दो तलवारें कभी नहीं रह सकती हैं।
किसी और पर प्रेम नारियाँ पति का क्या सह सक्ती हैं॥"

or

"पापी मनुज भी आज मुख से राम-नाम निकालते।
देखो भयंकर भाड़ियें भी आज आँसू डालते॥"

यहाँ पापी मनुज का प्रतिबिम्ब भेड़िये में तथा राम-नाम का प्रतिबिम्ब आँसू से पड़ रहा है।

By- Dr. Umesh Sir

अतिशयोक्ति अलंकार

परिभाषा :—

अतिशयोक्ति

↓

अतिशय + उक्ति

↓ ↓

बढ़ाचढ़ाकर कहना / वर्णन करना

"जहाँ पर किसी वस्तु, घटना अथवा परिस्थिति की वास्तविकता का बढ़ाचढ़ाकर वर्णन किया गया हो वहाँ 'अतिशयोक्ति' अलंकार होता है।"

उदाहरण :—

"अब जीवन की कपि आस न कोय।
कनगुरिया की मुंदरी कंगना होय॥"

or

"हनुमान की पूंछ में लगन न पाई आग।
लंका सिगरी जल गयी, गए निसाचर भाग॥"

or

"एक का मारैं दुइ गिरि जावैं, तीसर
औफ खाय मरि जाइ॥"

or

"भूप सहस दस एकहि बारा
लगे उठावन टरहि न टारा॥"

Gyansindhu Coaching Classes